संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक-272 शुक्रवार,02 अगस्त 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

अखबार पर प्रशासनिक अत्याचार के विरूद्ध संभाग मुख्यालय में सत्याग्रह आज

- » सरगुजा में पत्रकारों का सत्याग्रह अगस्त क्रांति की तरह माना जाएगा...
- » समस्त पत्रकारों, संपादकों,अखबार मालिकों व पत्रकार संगठनों से समर्थन का आग्रह...
- » घटती-घटना संपादक के ऊपर अत्याचार के खिलाफ मुखर हुई कांग्रेस...
- » अमानवीय साथ ही द्वेषपूर्ण कार्यवाही की जांच हेतु 8 सदस्यीय कमेटी का कांग्रेस ने किया गठन...

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी

राजीव भवन, शंकर नगर चौक,
रायपुर - 492001 (छ.ग.)
फोन : 0771-2236793
2236794, 2236795

क्रमांक 426. दिनांक 31/7/2024.

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया परिसर में जिला प्रशासन द्वारा किये गये कार्यवाही की जांच हेतु समिति का गठन

सरगुजा जिला मुख्यालय अंबिकापुर स्थित घटती-घटना प्रेस/समाचार पत्र परिसर में विगत दिनों स्थानीय जिला प्रशासन द्वारा किये गये प्रशासनिक कार्यवाही की घटना को गंभीरता से लेते हुए छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष माननीय श्री दीपक बैज जी प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष डॉ. जे.पी. श्रीवास्तव जी के नेतृत्व में आठ-सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है, जो निम्नानुसार है :-

1. डॉ. जेपी श्रीवास्तव	उपाध्यक्ष-प्रदेश कांग्रेस कमेटी	संयोजक
2. श्री द्वितेन्द्र मिश्रा	महामंत्री-प्रदेश कांग्रेस कमेटी	सदस्य
3. श्री हेमंत सिन्हा	ब्लाक अध्यक्ष-अम्बिकापुर शहर	सदस्य
4. श्री हेमंत तिवारी	अध्यक्ष-बार काउंसिल, अम्बिकापुर	सदस्य
5. श्रीमती सीमा सोनी	अध्यक्ष-महिला कांग्रेस कमेटी, सरगुजा	सदस्य
6. श्री अनूप मेहता	प्रवक्ता-जिला कांग्रेस कमेटी, सरगुजा	सदस्य
7. श्री आशीष वर्मा	प्रवक्ता-जिला कांग्रेस कमेटी, सरगुजा	सदस्य
8. श्रीमती सकीला	महामंत्री-महिला कांग्रेस कमेटी, सरगुजा	सदस्य

जांच समिति के सदस्यों से आग्रह है कि, वे अविलंब प्रभावित प्रेस/समाचार पत्र कार्यालय का दौरा कर समाचार पत्र के अधिकारियों/पदाधिकरियों सहित स्थानीय लोगों से भेंट/चर्चा कर घटना की वस्तुस्थिति से अवगत होकर अपना प्रतिवेदन प्रदेश कांग्रेस कमेटी को प्रेषित करें।

आदेशानुसार
(मलकीत सिंह गैदू)
प्रभारी महामंत्री(संगठन एवं प्रशा.)

प्रति,
संयोजक/सदस्यगण
जांच समिति, अंबिकापुर
जिला-सरगुजा(छ0ग0)

प्रतिलिपि-
1. माननीय श्री सचिन पायलट जी, एआईसीसी महासचिव एवं छत्तीसगढ प्रभारी को सादर सूचनार्थ.
2. माननीय डॉ. चरणदास महंत जी, नेताप्रतिपक्ष-छ.ग. विधानसभा को सादर सूचनार्थ.
3. माननीय श्री भूपेश बघेल जी, पूर्व मुख्यमंत्री-छत्तीसगढ को सादर सूचनार्थ.
4. माननीय श्री टी.एस. सिंहदेव जी, पूर्व उपमुख्यमंत्री-छत्तीसगढ को सादर सूचनार्थ.
5. माननीय डॉ. चंदन यादव जी, एआईसीसी सचिव एवं छ.ग. प्रभारी को सादर सूचनार्थ.
6. माननीय श्री सप्तगिरीशंकर उल्का जी, एआईसीसी सचिव एवं छ.ग. प्रभारी को सादर सूचनार्थ.
7. माननीय श्री विजय जांगिड जी, एआईसीसी सं.सचिव एवं छ.ग. सह प्रभारी को सादर सूचनार्थ
8. श्री सुशील आनंद शुक्ला, अध्यक्ष-संचार विभाग को आवश्यक कार्यवाही हेतु सूचनार्थ.
9. अध्यक्ष-जिला कांग्रेस कमेटी, सरगुजा को आवश्यक कार्यवाही हेतु सूचनार्थ.

अम्बिकापुर,01 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। दैनिक समाचार-पत्र घटती-घटना के प्रेस कार्यालय अंबिकापुर पर सरगुजा जिला प्रशासन द्वारा बुलडोजर कार्यवाही के विरोध में आगामी 2 अगस्त को समाचार सत्याग्रह का कार्यक्रम रखा गया है,जिसमें कि सभी पत्रकारों, संपादकों,अखबार मालिकों एवं पत्रकार संगठनों से समर्थन व सहयोग की अपेक्षा की गई है। ज्ञात हो कि बीते रविवार को सरगुजा जिला प्रशासन द्वारा दैनिक घटती-घटना अखबार के संपादक अविनाश सिंह के पितृशोक काल में पड़े होने के बावजूद उनके व्यावसायिक परिसर सह प्रेस कार्यालय को प्रदेश सरकार और विशेषकर स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के द्वारा द्वेष भावना से ग्रसित होकर प्रशासन के सहयोग से गिरवा दिया गया था इससे पहले स्वास्थ्य मंत्री द्वारा संपादक के घर पर देर रात अपना प्रतिनिधि मंडल भेजकर तरह-तरह से दबाव और धमकी देने आदि देने की कोशिश की गई थी जो उसी रात की गई थी जिस रात की सुबह प्रशासन ने संपादक के विरुद्ध उसके प्रतिष्ठान को जमींदोज कराने की कार्यवाही की और प्रतिनिधि बतौर जो लोग पहुंचे थे उसमे एक विहिप का कोरिया जिले का नेता था और एक खुद स्वास्थ्य मंत्री का ओएसडी जिसकी नौकरी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर राज्य प्रशासनिक अधिकारी बतौर लगी है जो आरोप लगातार लग रहा है और जिसकी खबर लगातार दैनिक घटती-घटना प्रकाशित भी करता चला आ रहा था जो स्वास्थ्य मंत्री की नाराजगी की एक वजह बनी। बता दें कि जिस पुत्र पर पिता के निधन का शोक व्याप्त हो उस पर जानबूझकर स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल द्वारा द्वेष भावना से की गई कार्यवाही को लेकर अब समूचे पत्रकार जगत में आक्रोश व्याप्त हैं। पत्रकारों द्वारा इसे अखबार को दबाने की साजिश वाली कार्यवाही बताई जा रही है जिससे कि समाचार सत्याग्रह का कार्यक्रम रखा गया है। पत्रकारों ने विष्णु का सुशासन देने वाली सरकार के कार्यकाल में हुई इस कार्यवाही की निंदा की है।

समाचार-पत्र के कार्यालय पर हुई कार्यवाही को लेकर कांग्रेस ने गठित की 8 सदस्यों की समिति

पितृशोक में पड़े दैनिक घटती-घटना अखबार के संपादक अविनाश सिंह के व्यावसायिक परिसर पर छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के द्वेष भावना के कारण हुई कार्यवाही की निंदा अब सभी तरफ हो रही है। समाचार-पत्र घटती-घटना के कार्यालय परिसर में कथित अतिक्रमण हटाने की घटना को प्रदेश कांग्रेस कमेटी,छत्तीसगढ़ ने गंभीरता से लेते हुए इस घटना की जांच के लिए एक 8 सदस्यों की जांच कमेटी का गठन किया है। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष श्री जे. पी. श्रीवास्तव की अध्यक्षता में गठित इस कमेटी को मामले की शीघ्रता से जांच कर रिपोर्ट देने के लिए निर्देशित किया गया है। इस कमेटी के अन्य सदस्यों में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री श्री द्वितेन्द्र मिश्रा,अम्बिकापुर शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री हेमंत सिंह,अधिवक्ता श्री हेमंत तिवारी,महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सीमा सोनी,प्रवक्ता अनूप मेहता एवं आशीष वर्मा और महिला कांग्रेस महामंत्री श्रीमती शकीला सिद्दिकी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि 28 जुलाई रविवार अवकाश के दिन तड़के 5 बजे प्रशासन ने घटती-घटना समाचार-पत्र के परिसर में मौजूद निर्माण को जमीदोंज कर दिया था।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

आपके विभाग का यह कैसा हाल है स्वास्थ्य मंत्री जी...

» ईलाज के नाम पर डॉक्टर कर रहे पैसे की मांग...वीडियो हुआ वायरल...

» प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने भी उठाया मुद्दा...

» कहा...दवाओं में भी की जा रही कमीशनखोरी है...

-रवि सिंह-

रायपुर/अम्बिकापुर,01 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। प्रदेश में विष्णु का सुशासन देने वाली भाजपा सरकार के कार्यकाल में सबसे ज्यादा अराजकता की स्थिति स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग में दिखलाई दे रही है...आए दिन लचर स्वास्थ्य सुविधा की खबरें सामने आ रही हैं...प्रदेश का ऐसा कोई जिला नहीं जहां बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराई जा रही है। मरीज परेशान हैं,मजबूरीवश परिजन उन्हें निजी चिकित्सालय लेकर जा रहे हैं गरीब तबका इसमें ज्यादा पीस रहा है लेकिन स्वास्थ्य मंत्री हैं कि उन्हें यह सब छोड़कर कमियों को उजागर करने वाले पत्रकार और संपादक नजर आ रहे हैं। यह कहने में कतई संकोच नहीं है कि स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के कार्यकाल में विभाग दुर्दशा के आंसू बहा रहा है...वैसे जिस विभाग में दलाली, लूट, खसोट, वसूली, पद के लिए बोली होगी...वहां बहुत ज्यादा उम्मीद करना भी बेमानी है...।

अभी एक ताजा मामला मंत्री के विभाग से जुड़े एक चिकित्सक का सामने आया है जिसमें ईलाज के नाम पर चिकित्सक द्वारा पैसे की मांग की जा रही है...वायरल वीडियो को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर सवाल भी खड़ा किया है...। वीडियो में स्पष्ट देखा और सुना जा रहा है कि चिकित्सक ने पैसे की मांग की है लेकिन जब राजधानी रायपुर मे पत्रकारों ने मंत्री से इस विषय पर सवाल किया तो उनका कहना था कि जांच करेंगे। सवाल उठता है... कि जब वीडियो में ही सबकुछ स्पष्ट दिखलाई दे रहा है...तो फिर जांच किस बात की करेंगे मंत्री जी...।

जानकारी के तहत प्रदेश के न्यायधानी कहे जाने वाले बिलासपुर के सरकंडा शासकीय आयुर्वेद अस्पताल में शिकायतकर्ता हितेश साहू ने अपने भाई जयंत को फिस्टुला के ईलाज के लिए भर्ती कराया था। ईलाज के दौरान उसे मंहगी दवाई एवं ऑपरेशन हेतु समान के लिए मजबूर किया गया। ईलाज होने के बाद वहां पदस्थ डॉक्टर बृजेश सिंह ने रूपये की मांग की...। वायरल वीडियो में स्पष्ट रूप से डॉक्टर और उसके सहयोगियों के द्वारा तीन हजार रूपये की मांग करते देखा जा रहा है...। इसके बाद भी कार्यवाही ना किया जाना आश्चर्यजनक है...।

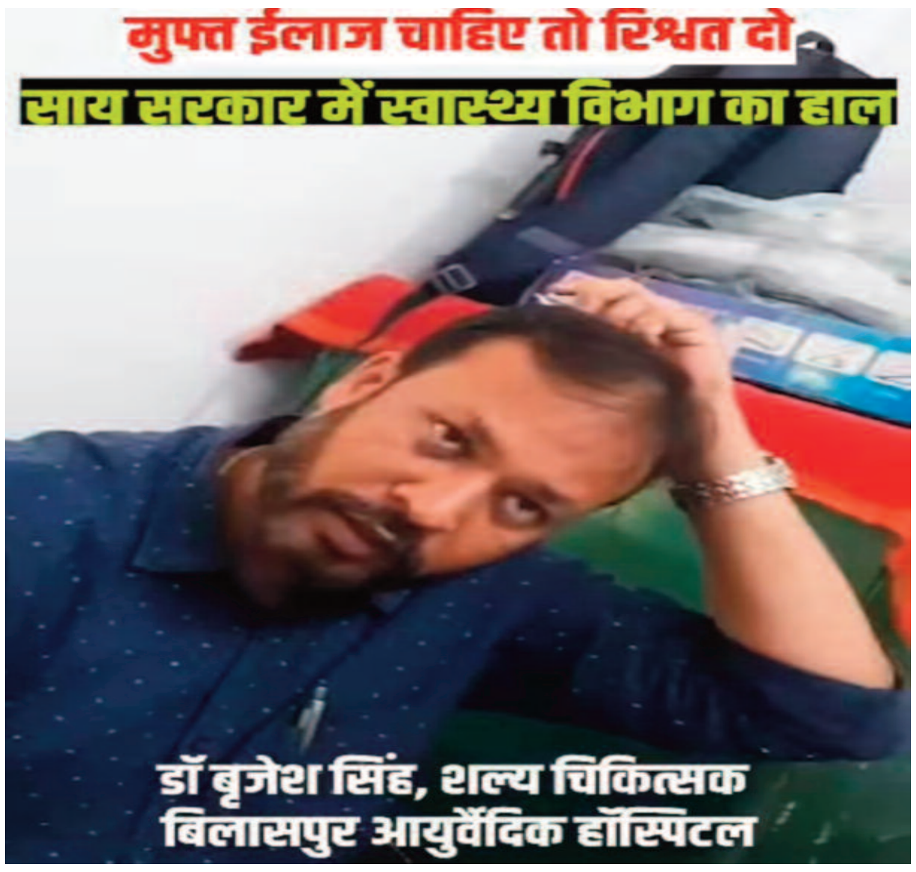

कांग्रेस अध्यक्ष ने उठाया मुद्दा

शासकीय अस्पताल में डॉक्टर द्वारा ईलाज के एवज में पैसे की मांग करना अत्यंत निंदनीय है,वायरल वीडियो को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने भी अपने सोशल मीडिया से पोस्ट करते हुए सवाल खड़ा किया है। उन्होने ट्वीट करते हुए लिखा है कि प्रदेश की गरीब जनता सरकारी अस्पतालों में इसलिए जाती है कि ताकि उन्हें निःशुल्क अच्छा ईलाज मिल सके। मगर साय सरकार में गरीबों की मजबूरी का फायदा उठाकर इलाज के बदले रिश्वत ली जा रही है और दवाओं में भी कमीशनखोरी की जा रही है। श्री बैज ने कमीशनखोरी का बड़ा आरोप लगाया है जो कि सोचनीय विषय है।

दैनिक घटती-घटना के दफ्तर पर द्वेषपूर्ण कार्यवाही को लेकर आम नागरिक ने प्रधानमंत्री के नाम एमसीबी कलेक्टर के माध्यम से सौंपा ज्ञापन

» आम आदमी भी स्वास्थ्य मंत्री के कार्यवाही की कर रहा निंदा...

» दैनिक घटती-घटना के संपादक सहित पत्रकार की सुरक्षा की मांग आम नागरिक ने प्रधानमंत्री से की...

एमसीबी 01 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। जिले के एक आम नागरिक ने प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री की एक अखबार के संपादक के खिलाफ उसके प्रतिष्ठान के खिलाफ की गई द्वेषपूर्ण कार्यवाही को लेकर कलेक्टर एमसीबी के माध्यम से देश के प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है और उसने यह मांग की है की प्रदेश के सरगुजा अंचल से प्रकाशित दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र के संपादक के होटल प्रतिष्ठान पर जो प्रशासन द्वारा जमींदोज करने की कार्यवाही की गई है उसको लेकर जांच की जाए एवं उचित कार्यवाही की जाए।

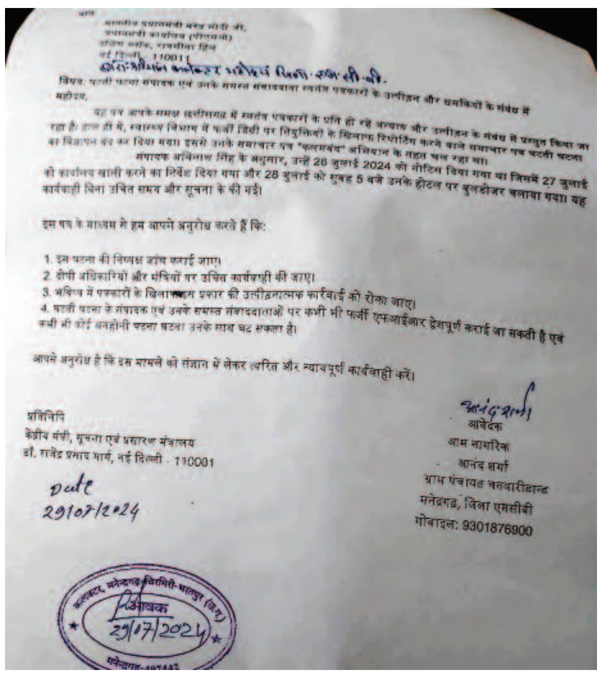

प्रति
माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी,
प्रधानमंत्री कार्यालय
नई दिल्ली - 110011
द्वारा:-श्रीमान कलेक्टर महोदय जिला-एम.सी.बी.

विषय: घटती घटना संपादक एवं उनके समस्त संवाददाता स्वतंत्र पत्रकारों के उत्पीड़न और धमकियों के संबंध में
महोदय,

यह पत्र आपके समक्ष छत्तीसगढ़ में स्वतंत्र पत्रकारों के प्रति हो रहे अन्याय और उत्पीड़न के संबंध में प्रस्तुत किया जा रहा है। हाल ही में, स्वास्थ्य विभाग में फर्जी डिग्री पर नियुक्तियों के खिलाफ रिपोर्टिंग करने वाले समाचार पत्र घटती घटना का विज्ञापन बंद कर दिया गया। इससे उनके समाचार पत्र "कलमबंद" अभियान के तहत चल रहा था। संपादक अविनाश सिंह के अनुसार, उन्हें 26 जुलाई 2024 को नोटिस दिया गया था जिसमें 27 जुलाई को कार्यालय खाली करने का निर्देश दिया गया और 28 जुलाई को सुबह 5 बजे उनके होटल पर बुलडोजर चलाया गया। यह कार्यवाही बिना उचित समय और सूचना के की गई।

इस पत्र के माध्यम से हम आपसे अनुरोध करते हैं कि:

1. इस घटना की निष्पक्ष जांच कराई जाए।
2. दोषी अधिकारियों और मंत्रियों पर उचित कार्यवाही की जाए।
3. भविष्य में पत्रकारों के खिलाफ इस प्रकार की उत्पीड़नात्मक कार्रवाई को रोका जाए।
4. घटती घटना के संपादक एवं उनके समस्त संवाददाताओं पर कभी भी फर्जी एफआईआर द्वेषपूर्ण कराई जा सकती है एवं कभी भी कोई अनहोनी घटना घटना उनके साथ घट सकता है।

आपसे अनुरोध है कि इस मामले को संज्ञान में लेकर त्वरित और न्यायपूर्ण कार्यवाही करें।

प्रतिलिपि
केंद्रीय मंत्री, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
डॉ. राजेंद्र प्रसाद मार्ग, नई दिल्ली - 110001

Date
29/07/2024

आवेदक
आम नागरिक
आनंद शर्मा
ग्राम पंचायत चनवारीडांड
मनेन्द्रगढ़, जिला एमसीबी
मोबाइल: 9301876900

कलेक्टर, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.)
निरीक्षक
29/07/2024

एमसीबी जिले के ग्राम चनवारीडांड निवासी आनंद शर्मा ने यह पत्र लिखा है और उन्होंने यह भी मांग की है की मामले की जांच की जाए कौन कौन अधिकारी इस द्वेषपूर्ण कार्यवाही में शामिल थे कौन मंत्री इसमें शामिल था उसपर भी कार्यवाही की जाए पत्रकारों के खिलाफ प्रदेश में हो रहे उत्पीड़न को आगे से रोका जाए जो इसी तरह जारी हैं वहीं उन्होंने यह आशंका जाहिर की है की दैनिक घटती-घटना के संवाददाताओं सहित उसके संपादक के विरुद्ध कभी भी किसी भी तरह का अपराध पंजीबद्ध किया जा सकता है वहीं उनके साथ कोई भी अनहोनी घट सकती है। एक आम आदमी का यह पत्र यह बतलाता है की वह प्रदेश की सरकार और स्वास्थ्य मंत्री के रवैए से किस कदर सशंकित है। आम आदमी ने यह भी लिखा है की दैनिक घटती-घटना स्वास्थ्य विभाग में फर्जी सर्टिफिकेट के आधार पर होने वाली भर्तियों के खिलाफ स्वतंत्र रिपोर्टिंग कर रहा था वहीं जिससे क्षुब्ध होकर उसके सबसे पहले उसका विज्ञापन बंद किया गया वहीं जब विज्ञापन बंद होने बात से दैनिक घटती-घटना ने विरोध प्रदर्शन स्वरूप कलम बंद अभियान चलाया तब संपादक के प्रतिष्ठान पर ही बुलडोजर चलाया गया जिसके लिए उसे समय भी नहीं दिया गया। आम आदमी के पत्र की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है की वह यह आशंका जाहिर कर रहा है की संवादाताओं की जान को भी खतरा हो सकता है जब उनके प्रतिष्ठान को ही जमीदोंज किया जा रहा है।

वैसे इस मामले में न्याय अन्याय का भेद इस बात से लगाया जा सकता है की सत्याग्रह की राह पर चल रहा था अखबार और कलम बंद उसका अभियान था वहीं उस सत्याग्रह और शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन से प्रदेश की विष्णु देव साय सरकार इतनी घबरा गई की उसे संपादक के पितृशोक काल के अवसर का फायदा उठाना पड़ा और जब संपादक शोक संतप्त अवस्था में थे तब वह प्रशासन की सहायता से उसपर वार करती है और उसके प्रतिष्ठान को जमीदोंज करती है। माना जा सकता है की कलम बंद अभियान से प्रदेश सरकार खासकर स्वास्थ्य विभाग के भ्रष्टाचार का खुलासा हो रहा था और कहीं न कहीं प्रदेश के लोगों के बीच यह संदेश जा रहा था की लोगों के स्वास्थ्य के लिए खर्च होने वाली राशि भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही है वहीं सरकार और स्वास्थ्य विभाग और स्वास्थ्य मंत्री की फजीहत को रोकने के लिए प्रदेश सरकार ने इस तरह का कायरतापूर्ण निर्णय लिया।

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

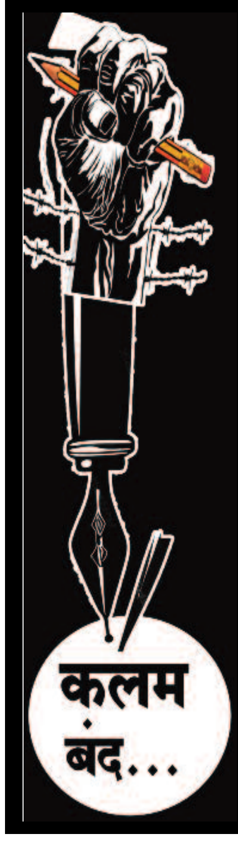

कलम बंद...का तैंतीसवां दिन

?

कलम बंद...का तैंतीसवां दिन

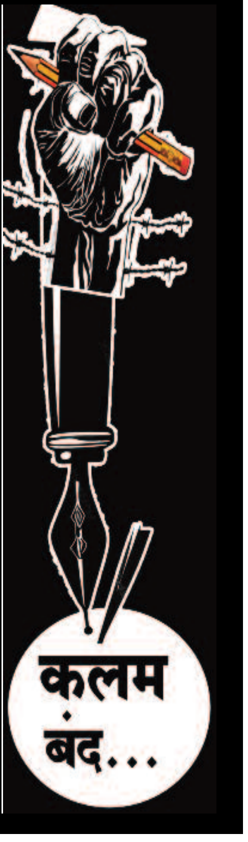

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

अब स्वास्थ्य मंत्री के विधानसभा क्षेत्र में डायरिया ने ली महिला की जान

» बीजापुर जाकर दावा करते रह गए स्वास्थ्य मंत्री...नहीं संभला घर...

» पूछ रही प्रदेश की जनता...कुर्सी संभाले 8 माह बीत गए मंत्री जी... वेंटिलेटर से बाहर कब आएगा स्वास्थ्य विभाग...?

-भूपेन्द्र सिंह-

रायपुर/अम्बिकापुर, 01 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने पिछले दिनों बस्तर अंचल के बीजापुर का दौरा किया था और दावा किया था कि डायरिया रोकथाम हेतु हर संभव कोशिश की जा रही है,मंत्री के दावे में कितनी सच्चाई थी यह समझा जा सकता है कि अब खुद उनके विधानसभा क्षेत्र में डायरिया ने एक महिला की जान ले ली है,महिला की मौत के बाद परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है, परिजन का कहना है कि...लचर स्वास्थ्य सुविधा के कारण ही डायरिया से निधन हो गया...। हद है मंत्री जी...आप हवा-हवाई दावा करते फिरते हैं...और खुद आपके विधानसभा में इस प्रकार की स्थिति निर्मित है...इसके अलावा अन्य प्रभावित जन उपचार हेतु भर्ती किए गए हैं। प्रदेश भर में...स्वास्थ्य विभाग की दुर्दशा से मरीज कराह रहे हैं...सुविधाएं वेंटिलेटर पर पहुंच गई है...स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल को कुर्सी संभाले 8 माह से अधिक का समय बीत चुका है... लेकिन इस बीच सिर्फ हवा-हवाई दावा ही सामने आया है...अभी तक व्यवस्थाएं पटरी पर नहीं आ सकी है। बतलाया गया है कि स्वास्थ्य मंत्री के गृह जिले एमसीबी अंतर्गत मनेंद्रगढ़ से 25 किमी दूर ग्राम पंचायत पाराडोल के हरकाटनपारा में विगत कई दिनों से फैले डायरिया ने अब विकराल रूप धारण कर लिया है। तमाम दावों के बावजूद दूसरी बार विधायक होने के बाद भी मंत्री ने यहां तक सड़क नहीं बनवा पाई जिससे कि बारिश के मौसम में यहां तक पहुंचना कठिन होता है। इस गांव में 27 जुलाई को 25 वर्षीय महिला मीरा डायरिया के प्रकोप में आ गई और समय पर समुचित ईलाज ना मिल पाने के कारण उसका निधन हो गया। महिला की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग की नींद खुली उसके बाद गांव में कैंप लगाया गया। जिसमें 20 से अधिक डायरिया पीड़ित पाये गए। 2 मरीज नाजुक हालत में थे जिन्हें अंबिकापुर रेफर किया गया। बड़ा सवाल है कि प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के इलाके से मरीज अन्यत्र रेफर किये जा रहे हैं। 8 माह का लंबा समय व्यतीत हो जाने के बाद भी एक सामान्य बीमारी के मरीज बाहर भेजे जा रहे हैं जिससे कि विभाग की दुर्दशा का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। हालांकि अभी मंत्री का सारा ध्यान विभागीय कमियों को उजागर करने वाले अखबार के संपादक और पत्रकार पर टिका हुआ है। संपादक पितृशोक में हैं और मंत्री उन पर द्वेषपूर्वक कार्यवाही में मस्त हैं इसलिए इस प्रकार की स्थिति निर्मित होना स्वाभाविक है।

क्या प्रकशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

अम्बिकापुर, 01 अगस्त 2024(घटती-घटना)। आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं...वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं...आपके विभाग में कितनी कमियां हैं...यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है...वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें..यह आपकी तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कर्मियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

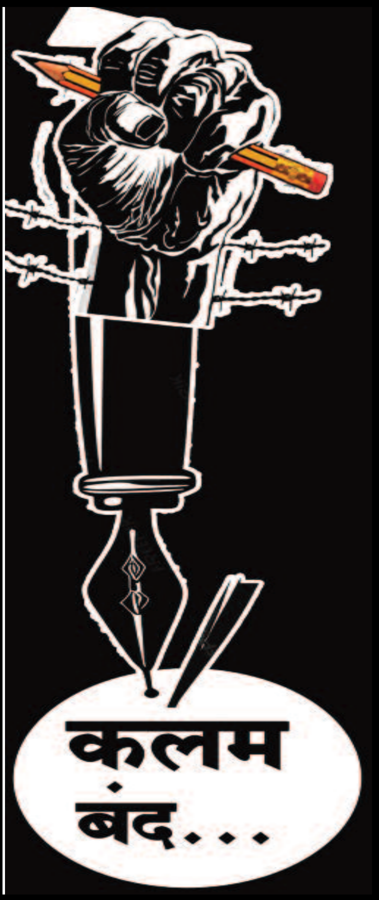

कलम बंद...का तैंतीसवां दिन

?

कलम बंद...का तैंतीसवां दिन

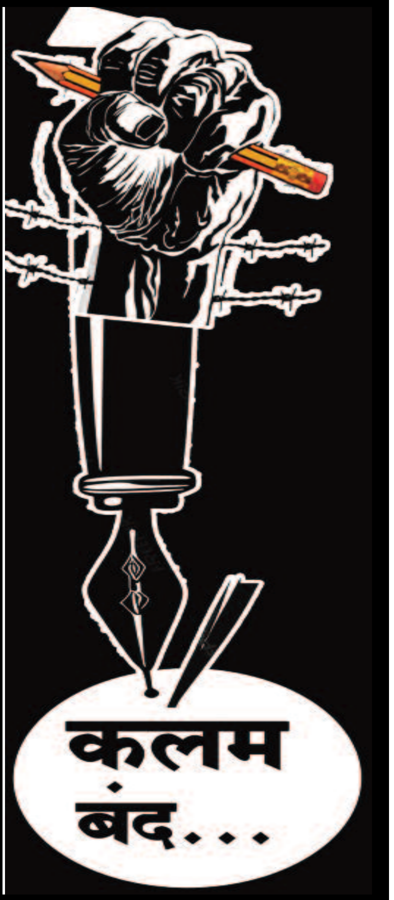

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,01 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

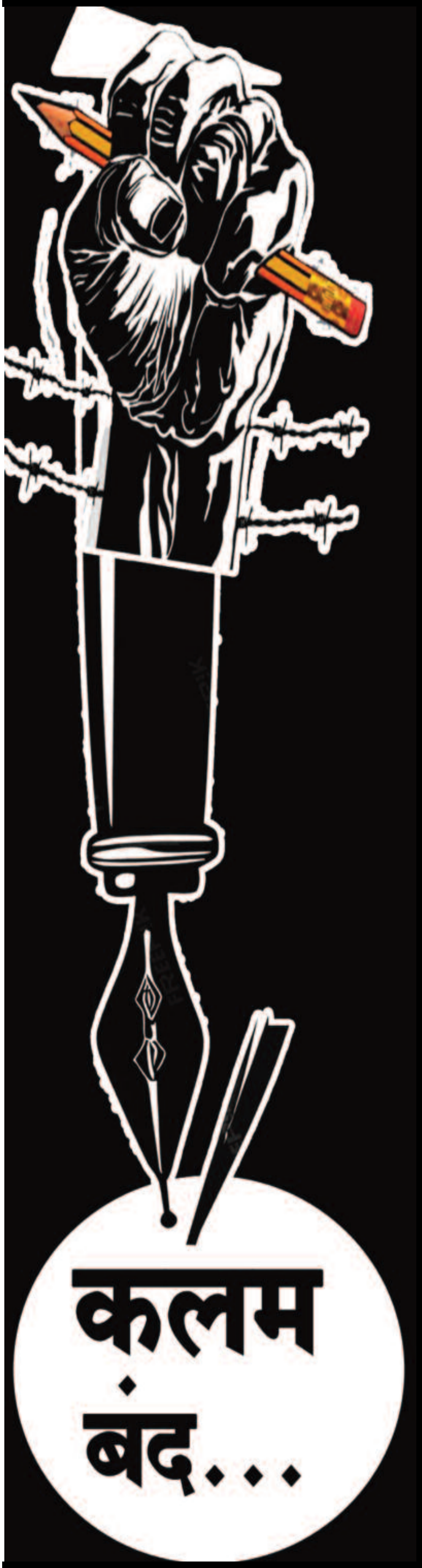

कलम बंद...का तैंतीसवां दिन

?

कलम बंद...का तैंतीसवां दिन

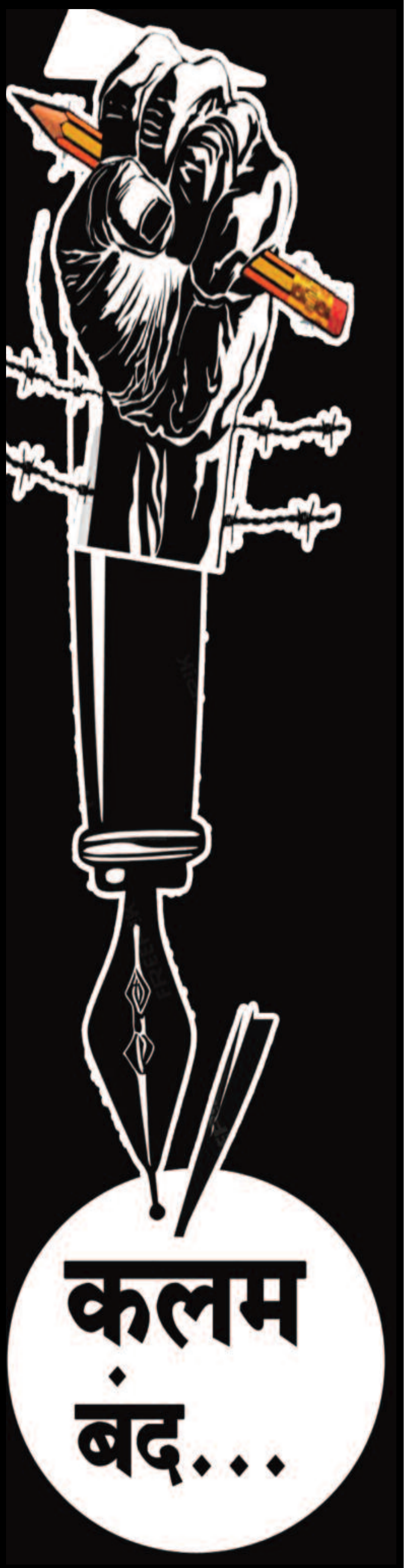

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है ?

अम्बिकापुर,01 अगस्त 2024(घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

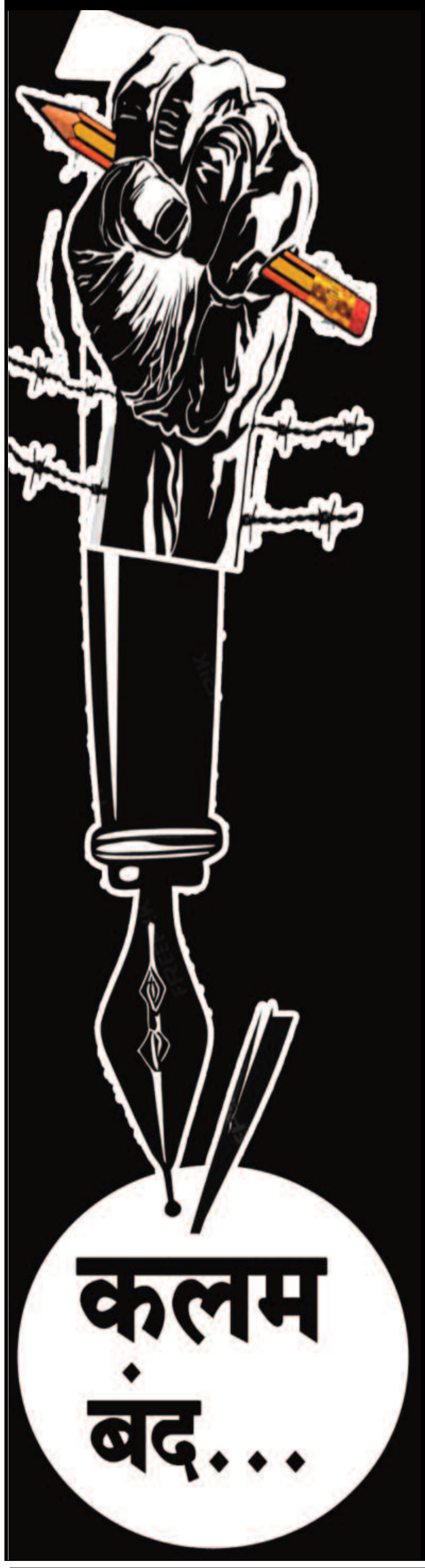

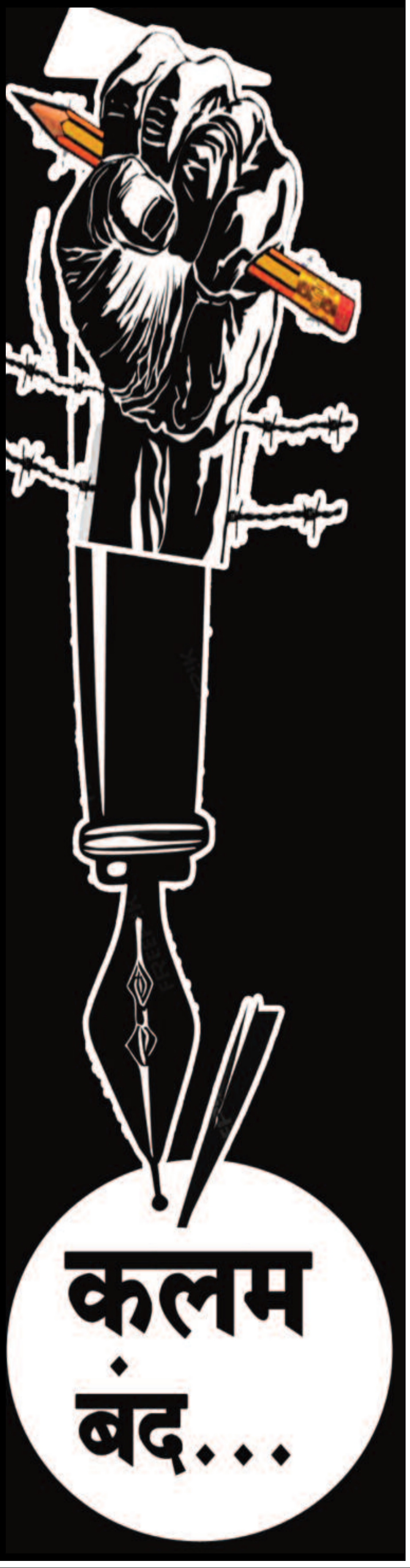

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
» कमी दिखाओ तो दिक्कत...
» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर, 01 अगस्त 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें ? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

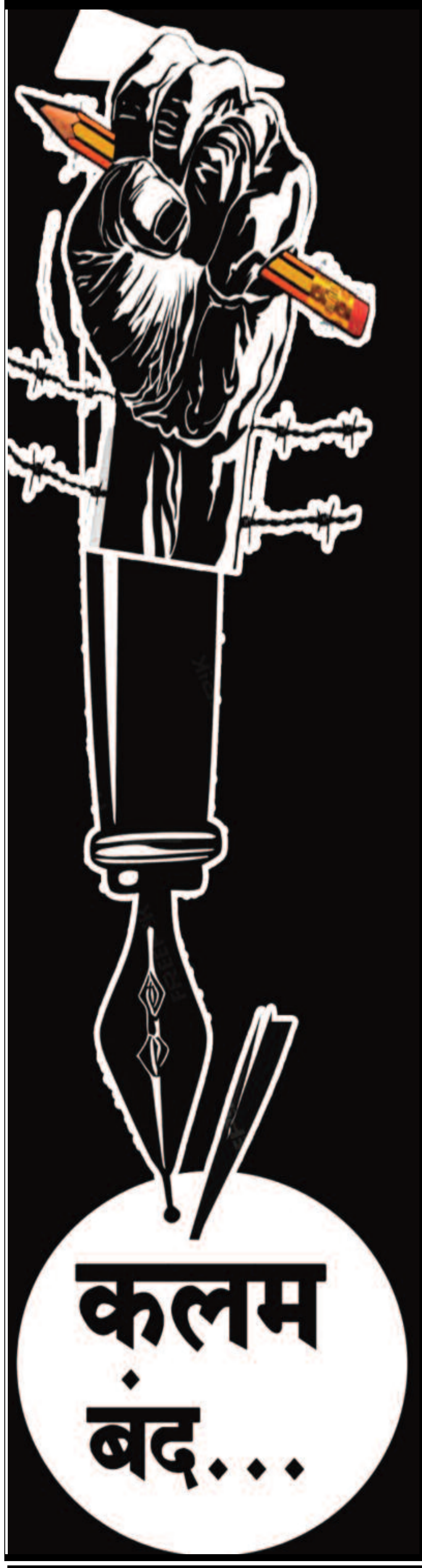

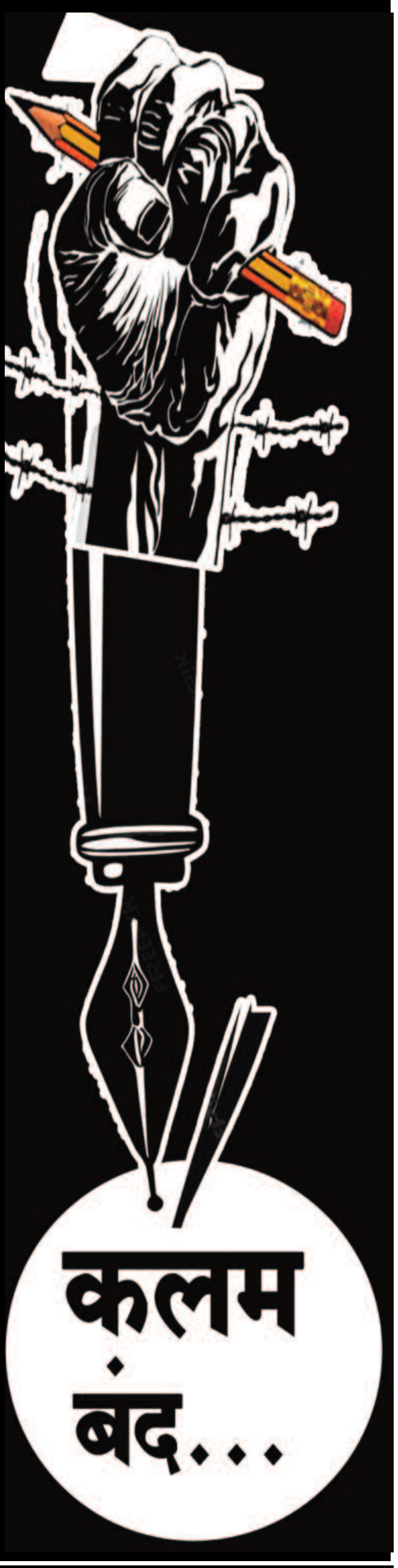

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

संक्षिप्त खेल समाचार

पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन ने बनाई प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह

पेरिस,01 अगस्त 2024। पेरिस ओलंपिक 2024 के पांचवें दिन भी भारतीय एथलीट्स की तरफ से शानदार प्रदर्शन देखने को मिला जिसमें शूटिंग में पुरुष 50 मीटर राइफल 3 पोजिशंस मेडल इवेंट में स्वप्निल कुसाले ने अपनी जगह को पक्का कर लिया। वहीं बैडमिंटन के महिला सिंगल में जहां पीवी सिंधु ने राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली है तो वहीं वहीं पुरुष सिंगल में लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय भी अपनी जगह बनाने में कामयाब रहे, जिसमें दोनों के बीच प्री-क्वार्टर फाइनल में मुकाबला देखने को मिलेगा। वहीं महिला टेबल टेनिस में सिंगल के राउंड ऑफ 16 में भारत की मनिका बत्रा और श्रीजा अकुला दोनों को अपने-अपने मैच में हार का सामना करना पड़ा। इसके अलावा भारतीय टीम के पूर्व खिलाड़ी और हेड कोच रहे अंशुमन गायकवाड़ का लंबी बीमारी के बाद 31 जुलाई को निधन हो गया।

अंशुमन गायकवाड़ का 71 साल की उम्र में निधन

नई दिल्ली, 01 अगस्त 2024। भारत के पूर्व क्रिकेटर अंशुमन गायकवाड़ का कैंसर से लंबी लड़ाई के बाद निधन हो गया। वह 71 वर्ष के थे। गायकवाड़ ने भारत के लिए 40 टेस्ट और 15 वनडे मैच खेले। वह 2000 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में उपविजेता रही भारतीय टीम के कोच भी थे। गायकवाड़ का लंदन के किंग्स कॉलेज अस्पताल में ब्लड कैंसर का इलाज चल रहा था। वह लंदन में लंबा समय बिताने के बाद पिछले महीने स्वदेश लौट थे।

स्वप्निल ने भारत के लिए जीता ब्रॉन्ज मेडल

पेरिस,01 अगस्त 2024। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत के लिए शूटिंग में एक और मेडल आया जिसमें इस बार पुरुष 50 मीटर राइफल 3 पोजिशंस में स्वप्निल कुसाले ने 451.4 का स्कोर करने के साथ ब्रॉन्ज मेडल को अपने नाम किया है। स्वप्निल ओलंपिक के इतिहास में भारत की तरफ से इस इवेंट में पदक जीतने वाले पहले एथलीट भी बन गए हैं। भारत का यह इस ओलंपिक में तीसरा पदक है। इस इवेंट में एथलीट को पहले घुटने पर उसके बाद लेटकर और फिर खड़े होकर शॉट लगाने होते हैं जिसमें स्वप्निल शुरू की दो पोजिशंस में थोड़ा पीछे जरूर चल रहे थे लेकिन आखिरी पोजिशन में उन्होंने खुद को संभालते हुए अपने शॉट में सुधार किया और नंबर तीन के स्थान पर खत्म करते हुए ब्रॉन्ज मेडल जीतने में कामयाबी हासिल की।

स्वप्निल के लिए आसान नहीं थी यहां तक की राह

पुणे से आने वाले 28 साल के स्वप्निल के लिए यहां तक की राह आसान नहीं थी, एक समय रेलवे में टिकट कलेक्टर की नौकरी करने वाले स्वप्निल ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी से प्रेरणा ली। स्वप्निल साल 2012 से शूटिंग के इंटरनेशनल इवेंट में हिस्सा ले रहे हैं। हालांकि उन्हें अपने करियर का पहला ओलंपिक खेलने के लिए 12 साल का लंबा इंतजार करना पड़ा। पिछले साल हांगझोउ एशियाई खेलों में इसी इवेंट में कुसाले ने ऐश्वर्य प्रताप और अखिल श्योराण के साथ मिलकर टीम इवेंट में स्वर्ण पदक जीता था। कुसाले कोल्हापूर में तेजस्विनी सावंत के मार्गदर्शन में अभ्यास करते हैं।

शूटिंग में भारत का ये इस ओलंपिक में तीसरा पदक

खेलों के महाकुंभ में भारत ने पहली बार किसी एक खेल में तीन पदक अपने नाम किए हैं। इससे पहले मनु भाकर ने जहां महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल के इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता था तो वहीं इसके बाद मनु भाकर ने सरबजोत सिंह के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्सड टीम इवेंट में भी कांस्य पदक जीतने में कामयाबी हासिल की थी। अभी भारत को इस बार के ओलंपिक में और पदक आने की उम्मीद है।

ओडीआई मुकाबले से पहले श्रीलंका को बड़ा झटका,ये दो स्टार खिलाड़ी टीम से हुए बाहर

कोलंबो,01 अगस्त 2024। भारत के खिलाफ आईएनडी/एसएल वनडे सीरीज के लिए श्रीलंका की तैयारियों को झटका देते हुए, तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना और दिलशान मदुशंका चोटों के कारण बाहर हो गए हैं। पथिराना के कंधे में चोट है, जबकि मदुशंका हैमस्ट्रिंग की समस्या से जूझ रहे हैं। श्रीलंका की मुश्किलें बढ़ाते हुए, दुष्मंथा चमीरा, जो अस्वस्थ हैं, और नुवान तुषारा, जिनके अंगूठे में फ्रैक्चर है, वे भी आईएनडी/एसएल एकदिवसीय श्रृंखला से चूक जाएंगे। चमीरा और तुषारा दोनों पहले ही टी 20 सीरीज से अनुपस्थित थे।

भारत के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी 20 आई श्रृंखला में श्रीलंका के प्रमुख विकेट लेने वाले गेंदबाज मथीशा पथिराना की अनुपस्थिति बड़ा झटका है। श्रीलंका और भारत के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज शुक्रवार (2 अगस्त) से शुरू हो रही है। आईएनडी/एसएल वनडे के तीनों मैच कोलंबो में खेले जाएंगे। दूसरा और तीसरा वनडे क्रमशः 4 और 7 अगस्त को निर्धारित है। भारत और श्रीलंका के बीच वनडे सीरीज में विराट कोहली की वापसी होगी, जो रोहित शर्मा के साथ टी 20 वर्ल्ड कप फाइनल के बाद से क्रिकेट से दूर हैं। आईएनडी/एसएल वनडे श्रृंखला वनडे विश्व कप 2023 फाइनल के बाद पहली बार 50 ओवर के प्रारूप में वापसी का प्रतीक होगी।

भारत बनाम श्रीलंका वनडे टीम

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, मोहम्मद। सिराज, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, रियान पराग, अक्षर पटेल, खलील अहमद, हर्षित राणा।

श्रीलंका: चरित असलांका (कप्तान), पथुम निसांका। अविष्का फर्नांडो, कुसल मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, कामिंदु मेंडिस, जेनिथ लियानगे, निशान मदुश्का, वानिंदु हसरंगा, डुनिथ वेललेज, चमिका करुणारत्ने, महीश थीक्षाना, अकिला धनंजय, असिथा फर्नांडो, मोहम्मद शिराज।

सूर्या भाई ने श्रृंखला में गेंदबाजी के लिए तैयार रहने को कहा था

नई दिल्ली, 01 अगस्त 2024। भारत के युवा बल्लेबाज रिंकू सिंह श्रीलंका के खिलाफ तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में स्टार बनकर उभरे, लेकिन बल्लेबाजी में नहीं बल्कि गेंदबाज की भूमिका में।

मेजबान टीम जब आठ विकेट पर 137 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत की ओर बढ़ रही थी तब कप्तान सूर्यकुमार यादव ने गेंद रिंकू को थमा दी तब प्रतिद्वंद्वी टीम को 12 गेंद पर नौ रन की जरूरत थी।इस 26 वर्षीय दायें हाथ के ऑफ स्पिनर ने हालांकि निराश नहीं किया। उन्होंने अपने एकमात्र ओवर में दो विकेट चटकाए। इसमें उन्होंने सिर्फ तीन रन दिए और कुसल परेरा और रमेश मेंडिस के विकेट लिए। फिर 20 ओवर के बाद स्कोर बराबर होने के कारण मैच सुपर ओवर में चला गया जिसमें भारत विजेता रहा। रिंकू ने बाद में स्वीकार किया कि सूर्या ने उन्हें पहले ही बता दिया था कि जरूरत पड़ने पर उन्हें गेंदबाजी करनी पड़ सकती है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की वेबसाइट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में उन्होंने कहा, ''मैंने घरेलू क्रिकेट में काफी विकेट लिए हैं और मैंने वनडे में भी एक विकेट लिया है। सूर्या ने मुझे श्रृंखला में गेंदबाजी के लिए तैयार रहने के लिए कहा था।''

लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय होंगे एक-दूसरे के सामने

» प्री-क्वार्टर फाइनल में इस वजह से भिड़ेंगे

पेरिस,01 अगस्त 2024। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत की तरफ से अब तक कई एथलीट्स ने शानदार प्रदर्शन दिखाया जिसमें भले ही वह मेडल जीतने से चूक गए। वहीं बैडमिंटन में अभी 3 भारतीय खिलाड़ी प्री-क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह को पक्का कर चुके हैं, जिसमें महिला सिंगल में पीवी सिंधु तो वहीं पुरुष सिंगल के इवेंट में लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय ने अपनी जगह को पक्का किया है। वहीं पुरुष प्री-क्वार्टर फाइनल में भारत का एक ही बैडमिंटन खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह को पक्का करने में कामयाब हो पाएगा क्योंकि लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय एक-दूसरे के खिलाफ प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेलेंगे।

लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय एक-दूसरे के खिलाफ पेरिस ओलंपिक में इस वजह से खेल रहे हैं क्योंकि जब इस इवेंट के लिए ग्रुप स्टेज के ड्रॉ घोषित किए गए थे तो ये तय हो गया था कि हर ग्रुप से राउंड 16 में पहुंचने वाले खिलाड़ी को अपने से ठीक बाद वाले ग्रुप से क्वालिफाई करने वाले खिलाड़ी के खिलाफ मुकाबला खेलना होगा। ऐसे में एचएस प्रणय जो ग्रूप के का हिस्सा थे वह लक्ष्य सेन के खिलाफ जो ग्रूप एल का हिस्सा हैं उनसे प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेलना पड़ रहा है। दोनों ही खिलाड़ियों का अब तक इस टूर्नामेंट में बेहतरीन फॉर्म देखने को मिला है ऐसे में ये मुकाबला रोमांचक होने की पूरी उम्मीद भी जताई जा रही है।

लक्ष्य सेन ने जीते हैं अब तक 4 मुकाबले

ऐसा नहीं है कि लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय पहली बार किसी बड़े टूर्नामेंट में एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबला खेलने उतर रहे हैं, इससे पहले अब तक दोनों ने 7 बार एक-दूसरे का आमना-सामना किया है, जिसमें लक्ष्य सेन का पलड़ा थोड़ा भारी रहा है जिसमें उन्होंने 4 बार प्रणय के खिलाफ जीत दर्ज की है तो वहीं प्रणय सिर्फ 3 मैचों को अपने नाम करने में कामयाब हो सके हैं।

कोहली के पास ओडीआई क्रिकेट में ऐतिहासिक कीर्तिमान बनाने का मौका

नई दिल्ली, 01 अगस्त 2024। भारतीय टीम ने श्रीलंका के खिलाफ टी 20 सीरीज में 3-0 क्लीन स्वीप किया था। अब टीम इंडिया की निगाहें वनडे सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करने पर होंगी। वनडे सीरीज में भारत के सीनियर प्लेयर्स रोहित शर्मा और विराट कोहली की वापसी होगी। टी 20 वर्ल्ड कप 2024 की ट्रॉफी जीतने के बाद रोहित-विराट की ये पहली सीरीज होगी। टी 20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद इन दोनों दिग्गज प्लेयर्स की निगाहें चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अभी से तैयारी शुरू करने पर टिकी होंगी। वनडे सीरीज में सुपरस्टार बल्लेबाज कोहली अपने नाम एक बड़ा रिकॉर्ड कर सकते हैं।

वनडे क्रिकेट में 50 शतक जड़ने वाले इकलौते बल्लेबाज

भारत के लिए वनडे क्रिकेट में विराट कोहली ने साल 2008 में डेब्यू किया था। इसके बाद से ही वह टीम इंडिया के बैटिंग ऑर्डर की अहम कड़ी बन गए और टीम इंडिया को कई बार मुश्किल परिस्थितियों से निकाला है। वह वनडे में सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले बल्लेबाज हैं। वह इकलौते ऐसे प्लेयर हैं, जिन्होंने वनडे में 50 शतक लगाए हैं। उन्होंने अपने ओडीआई करियर में कुल 280 पारियों में 13848 रन बनाए हैं।

एमएस धोनी ने क्यों लिया जसप्रीत बुमराह का नाम

» आईपीएल 2025 को लेकर किया खुलासा

नई दिल्ली, 01 अगस्त 2024। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी जहां भी हों और कुछ भी बोलें, वो अक्सर चर्चा का केंद्र बन ही जाता है। भले ही वे अब इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर हों, लेकिन इसके बाद भी उनकी एक नजर यहां पर बनी ही रहती है। इस बीच आईपीएल 2025 की तैयारी शुरू हो चुकी है। यह भी अपने आप में बड़ा सवाल है कि महेंद्र सिंह धोनी अगले साल होने वाले आईपीएल का हिस्सा होंगे या नहीं। इस बीच एमएस धोनी ने एक सवाल के जवाब में टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का नाम लिया है। हालांकि रोहित शर्मा और विराट कोहली के सवाल को वे अपने ही अंदाज में टाल गए।

धोनी ने जसप्रीत बुमराह को बताया अपना पसंदीदा गेंदबाज

महेंद्र सिंह धोनी ने कहा कि जसप्रीत बुमराह उनके पसंदीदा गेंदबाज हैं। एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान एमएस धोनी ने कहा कि उनके लिए अपना पसंदीदा गेंदबाज चुनना आसान है, क्योंकि वह बुमराह हैं, लेकिन बल्लेबाज चुनना कठिन है, क्योंकि इतने सारे अच्छे बल्लेबाज हैं। उन्होंने कहा कि इसके मायने यह नहीं है कि हमारे गेंदबाज अच्छा नहीं कर है। उन्होंने बताया कि बल्लेबाजों में से एक को चुनना कठिन है। वह किसी एक को नहीं चुनना चाहते। उम्मीद है कि वे सभी रन बनाते रहेंगे। इस बीच आईपीएल के अगले सीजन को लेकर जब उनसे सवाल किया गया तो उन्होंने कुछ बताने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि अभी इसमें समय है। देखते हैं कि खिलाड़ियों को रिटेन रखने पर क्या फैसला होता है। अभी गेंद हमारे पाले में नहीं है।

आईपीएल के अगले सीजन में खेलने का लेकर सस्पेंस

चेन्नई सुपरकिंग्स को अपनी कप्तानी में 5 आईपीएल खिताब जिताने वाले एमएस धोनी अब टीम के कप्तान नहीं हैं। इस बीच अभी ये तय नहीं है कि आईपीएल के अगले सीजन के लिए टीमें कितने खिलाड़ी रिटेन करने वाली हैं। जब इसका खुलासा हो जाएगा, उसके बाद ही साफ होगा कि एमएस धोनी का आईपीएल करियर कैसा जाने वाला है। फिलहाल तो कुछ दिन और इंतजार करना होगा।

जॉन अब्राहम की वेदा का ट्रेलर रिलीज

जंग लड़ने के लिए तैयार शरवरी वाघ,चौंका रहा अंदाज

आखिरकार लंबे इंतजार के बाद अब जॉन अब्राहम की फिल्म वेदा का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म को सेंसर ने भी क्लियर कर दिया है और अब यह 15 अगस्त को रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म में शरवरी वाघ भी हैं। फिल्म में अभिषेक बनर्जी और तमन्ना भाटिया भी हैं। निखिल आडवाणी के निर्देशन में बनी वेदा पहले 12 जुलाई को रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में मेकर्स ने इसे 15 अगस्त के लिए पोस्टपोन कर दिया था। वेदा को असल कहानी से इंस्पायर्ड बताया जा रहा है।

फैंस ने की डायलॉग्स की तारीफ, भा गए जॉन और शरवरी वाघ

वेदा का ट्रेलर फैंस को काफी पसंद आया है। जॉन अब्राहम के साथ-साथ शरवरी वाघ के अंदाज ने उन्हें हैरान कर दिया है। कुछ डायलॉग्स की भी तारीफ हो रही है, जिनकी झलक ट्रेलर में देखने को मिली है। मसलन, हार भले हो मैं लड़कर हारना चाहती हूं। फैंस का कहना है कि शरवरी के इस डायलॉग को सुनकर उनके रोंगटे खड़े हो गए।

क्या है वेदा की कहानी?

वेदा एक व्यक्ति की शक्ति और बहादुरी की कहानी है। यह एक विद्रोह की कहानी है, जो एक कठोर व्यवस्था को चुनौती देती है। यह एक युवा महिला की कहानी भी है, जिसने एक ऐसे व्यक्ति से संघर्ष किया, उसका नेतृत्व किया और उसका समर्थन किया, जिसे वह अपना रक्षक मानती थी। और फिर वही उसका हथियार बन गया। यह एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है, जिसने वेदा को न्याय दिलाने में मदद की।

वेदा और सेंसर बोर्ड का क्या हुआ था विवाद?

मालूम हो कि वेदा को अभी तक सेंसर बोर्ड से रिलीज की मंजूरी नहीं मिली थी। उसे सेंसर सर्टिफिकेट नहीं दिया गया था। इससे कयास लगाए जा रहे थे कि फिल्म की रिलीज टल सकती है। सेंसर बोर्ड का रवैया देख मेकर्स भी नाराज थे और उन्होंने स्टेटमेंट जारी कर कहा था कि उन्होंने सभी नियमों का पालन करते हुए फिल्म की रिलीज के 8 हफ्ते पहले सर्टिफिकेट के लिए आवेदन किया था। सेंसर बोर्ड ने फिल्म 25 जून को ही देख ली थी, लेकिन रिव्यू कमिटी के पास अटकी थी। अब आखिरकार इसका रास्ता साफ हो चुका है और अब वेदा बिना किसी रुकावट के 15 अगस्त को रिलीज के लिए तैयार है।

अरुणोदय सिंह को डेट कर रही हैं तारा सुतारिया!

ऐसा लगता है कि आदर जैन से ब्रेकअप के बाद एक्ट्रेस तारा सुतारिया को अपना हमसफर मिल गया है। खबर है कि वह एक्टर अरुणोदय सिंह को डेट कर रही हैं। दोनों के बीच केमिस्ट्री दोस्ती से भी ज्यादा बढ़कर है। मालूम हो कि अरुणोदय सिंह तलाकशुदा हैं। उन्होंने 2016 में ली एन एल्टन से शादी की थी, पर 2019 में उनका तलाक हो गया था। वहीं, तारा सुतारिया और आदर जैन ने साल 2022-23 में अपना रिश्ता खत्म कर दिया था।

तारा सुतारिया और अरुणोदय सिंह डेढ़ साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। तारा के पैरेंट्स भी अरुणोदय को काफी पसंद करते हैं, और दोनों अकसर डेट्स पर जाते नजर आए हैं। अरुणोदय सिंह मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री और शिक्षा मंत्री (मानव संसाधन मंत्री) रहे अर्जुन सिंह के पोते हैं।

ऐसे शुरू हुआ तारा सुतारिया और अरुणोदय सिंह का रिश्ता

एक सोर्स ने बताया, तारा सुतारिया और अरुणोदय सिंह का रिश्ता एक-जैसी पसंद और सोच से शुरू हुआ। दोनों को आर्ट काफी पसंद है। दोनों साथ में काफी वक्त बिता रहे हैं। तारा की फैमिली न सिर्फ अरुणोदय सिंह के बारे में जानती है, बल्कि उन्हें पसंद भी करती है। दोनों डेट्स पर भी जाते हैं। बस उन्होंने अपने अफेयर के बारे में सबको बताने के लिए पीआर नहीं रखा है। तारा सुतारिया अपने रिलेशनशिप को प्राइवेट रखना चाहती हैं और अरुणोदय भी बेहद प्राइवेट इंसान हैं।

तारा के पैरेंट्स को पसंद हैं अरुणोदय सिंह

सोर्स ने आगे बताया कि तारा सुतारिया और अरुणोदय सिंह बिल्कुल एक-जैसे हैं। उनकी पसंद-नापसंद भी काफी मिलती है। दोनों को तारा सुतारिया के पैरेंट्स के साथ बांद्रा के एक रेस्टोरेंट में डेट पर भी स्पॉट किया गया था। तारा पहले आदर जैन को डेट कर रही थीं और उन्होंने साल 2020 में अपना रिलेशनशिप ऑफिशियल किया था, पर यह रिश्ता ज्यादा टाइम नहीं चला।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी(रा0) सक्षम प्राधिकारी(डायवर्सन) प्रतापपुर जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

//उद्घोषणा//

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रहमतउल्ला खान पिता सिकंदर खान जाति मोमिन निवासी प्रतापपुर तहसील प्रतापपुर जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा अपने स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम प्रतापपुर तहसील प्रतापपुर स्थित खसरा नंबर 164/10 रकबा 0.02 हे0 भूमि को छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 172 के अन्तर्गत कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

यदि इस पर किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह दिनांक 13/08/2024 तक दावा/आपत्ति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। इस तिथि के बाद प्राप्त दावा /आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 30/07/2024 को न्यायालय के पदमुद्रा द्वारा जारी किया गया।

(सील) **अनुविभागीय अधिकारी(रा.) एवं सक्षम प्राधिकारी प्रतापपुर जिला-सूरजपुर**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी(रा0) उदयपुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0 /अ-2/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शैलेन्द्र सिंह आ0 राम बिलास सिंह जाति गोंड़ निवासी ग्राम अमलभिट्ठी तहसील लखनपुर जिला सरगुजा के द्वारा अपने स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम अमलभिट्ठी तहसील लखनपुर स्थित खसरा नम्बर 118/6 रकबा 0.020 हे0 भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदक के द्वारा आवेदन पत्र के साथ बी-1, खसरा, नक्शा, पंजीबद्ध विक्रय पत्र, सेटलमेन्ट, ग्राम पंचायत का प्रस्ताव की प्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन के पन्द्रह दिवस के भीतर इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर लिखित रूप से दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 26/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

(सील) **अनुविभागीय अधिकारी(रा.) उदयपुर, सरगुजा**

खुला पत्र

दैनिक घटती-घटना के संपादक के विरुद्ध उनके प्रतिष्ठान के विरुद्ध सरकार और प्रशासन की द्वेषपूर्ण कार्यवाही की लोग कर रहे आलोचना

» किसी ने कहा घिन आ रही है...किसी ने कहा थू थू...किसी ने कार्यवाही के समय और तरीके को अनुचित बताया...

-विशेष संवाददाता-

रायपुर/अंबिकापुर 01 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। दैनिक घटती-घटना के कलम बंद अभियान से घबराकर प्रदेश सरकार और प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री जहां एक तरफ बातचीत का रास्ता भी तलाश रहे थे वहीं वह एक षड्यंत्र भी रच रहे थे जो लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का मुंह बंद करने उसकी अभिव्यक्ति की आजादी को कुचलने का षड्यंत्र था जो सरकार और स्वास्थ्य मंत्री ने पूरा कर दिखाया। अब सरकार और स्वास्थ्य मंत्री की इस कार्यवाही की चौतरफा निंदा हो रही है। संपादक के पिता की मृत्यु उपरांत होने अंतिम संस्कार कार्यक्रम में संपादक के व्यस्त होने के अवसर को सरकार स्वास्थ्य मंत्री और सरगुजा जिला प्रशासन ने ऐसा भुनाया कि अब उनकी थू-थू हो रही है...और सनातनी सरकार की इस कार्यवाही से लोग आश्चर्यचकित भी हैं...और गुस्से में भी हैं...और लोग आलोचना करते हुए कह रहे हैं कि संपादक के प्रतिष्ठान पर बेदखली की कार्यवाही अनुचित भले न हो समय अवसर उचित नहीं था जिसका ध्यान रखना था। लोग खासकर बुद्धजीवी वर्ग कई तरह की प्रतिक्रिया दे रहा है और इस कार्यवाही को कायरता की भी संज्ञा लोग दे रहे हैं।

सरगुजा में थू थू थू...

साधना कश्यप ने कहा अविनाश जिसका विनाश सम्भव नहीं,जिसके हाथो किसी का भी नाश सम्भव, सबका समय आएगा, बारी बारी से। घटिया लोग, घटिया प्रशासन, घटिया राजनीति इन सबके लिए बस एक शब्द...सरगुजा में थू थू थू...।

संवारने की बात कहने वाली सरकार उजाड़ने में उतर गई

वरिष्ट पत्रकार रायपुर सुधीर तम्बोली ने कहा छत्तीसगढ़ में रविवार की सुबह बुलडोजर कार्रवाई हुई। संवारने की बात कहने वाली सरकार उजाड़ने में उतर गई।

मैं हमेशा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के पक्ष में मजबूती से खड़ा रहा हूं...

वरिष्ट पत्रकार रायपुर कमल शुक्ला ने कहा की सत्ता से असहमत पत्रकारों पर लगातार हमले जारी हैं, सत्ता चाहे कांग्रेस की रही हो चाहे बीजेपी की, अत्याचार की इस प्रक्रिया में कोई अंतर कभी भी दिखाई नहीं दिया, आज भी एक ऐसे ही निर्मम और संवेदनहीन घटना सामने आई है, जिसमें सारे नियम कायदों को ताक में रखकर उत्तर प्रदेश के बुलडोजर संस्कृति को एक पत्रकार के खिलाफ छत्तीसगढ़ में प्रयोग किया गया है, घटना अंबिकापुर की है जहां आज सूर्य उगने के पहले भोर में ही एक पत्रकार घटती-घटना के संपादक अविनाश सिंह के कार्यालय और घर में बुलडोजर चलाकर घंटे भर के भीतर ही उस पत्रकार और उसके पुरखों की मेहनत और संपत्ति को चकनाचूर कर दिया गया, मिट्टी में मिला दिया गया । लाखों की आबादी वाले शहर में इकलौते घटती-घटना के संपादक के घर पर ही बुलडोजर चलाया गया, सरकार की नजर में यही एक मात्र नियम विरुद्ध घर था। ज्ञात हो कि उक्त पत्रकार ने पिछले कुछ महीने पहले प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के खिलाफ और उनके निजी सचिव मरकाम के खिलाफ कई समाचार लगाया था, तब घटती-घटना को सरकारी विज्ञापन रोक देने और पूर्व में दिए विज्ञापन का भुगतान रोकने का आरोप लगाते हुए उक्त पत्रकार ने छत्तीसगढ़ सरकार के खिलाफ ''कलम बंद हड़ताल'' की घोषणा की थी और इस

आंदोलन के तहत हुए पिछले महीने भर से लगातार अपने अखबार और सोशल मीडिया में सक्रिय था। घटती-घटना के पत्रकार अविनाश सिंह ने आज सुबह भूमकाल समाचार से बात करते हुए जानकारी दी की उन्हें 26 जुलाई की शाम को ही अचानक एक ही दिन में मकान और दुकान खाली करने का नोटिस दिया गया था, जिसके जवाब में उन्होंने नोटिस प्राप्त होने के तत्काल बाद उसी दिन उसने मामला कोर्ट में होने की सूचना देते हुए आवेदन देकर समय देने की मांग की थी, पर नोटिस मिलने के 36 घंटे के भीतर ही बिना समान हटाने का मौका दिए बिना सुबह-सबेरे पूरे मकान और आफिस में बुलडोजर चला दिया । ज्ञात हो कि पत्रकार अविनाश सिंह के पिता की मृत्यु हुए भी अभी एक सप्ताह नहीं हुआ है और उनके घर में मृत्युपरांत होने वाले संस्कार चल रहे है,अभी तेरहवीं भी नहीं हुई है, पता चला है कि इस घटना पर प्रदेश भर के पत्रकार आक्रोशित हैं और निकट भविष्य में सरकार के खिलाफ पत्रकार बड़ा आंदोलन करने की तैयारी में है,पिछली सरकार द्वारा पत्रकार सुरक्षा कानून के नाम पर पारित अधिनियम को भी ठंडे बस्ते में डाले जाने से प्रदेश के पत्रकार नाराज हैं। मैं हमेशा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के पक्ष में मजबूती से खड़ा रहा हूं, लड़ते रहा हूं, और अब अस्वस्थता के बाद भी इस लड़ाई में तमाम उन साथियों के साथ हूं, जो निर्भीक पत्रकारिता के पक्षधर हैं और पत्रकारिता का गला घोटने वाले इस अन्याय के खिलाफ लड़ना चाहते हैं, पत्रकार सुरक्षा कानून संयुक्त संघर्ष मोर्चा के संयोजक के नाते मैं प्रदेश भर के सभी पत्रकार, रिपोर्टर, संपादक,प्रधान संपादक, सभी पत्रकार संघ, प्रेस क्लब, प्रेस परिषद के सदस्यों,अध्यक्षों,उपाध्यक्षों व सभी पदाधिकारियों से निवेदन करता हूं कि इस लड़ाई में सक्रिय रूप से भाग लेकर प्रदेश में पत्रकारिता की आबरू को बचाए, पत्रकारिता को जिंदा रखने में सहयोग करें और वास्तविक पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की दिशा में लड़ाई को मजबूत करें।

सच्चाई की राह में चलना वाकई में अब कठिन है...

वरिष्ट पत्रकार फिरोज अंसारी ने कहा कि सच्चाई की राह में चलना वाकई में अब कठिन होता जा रहा है, पिता के मौत का दुःख अभी उतरा भी नहीं था की जिला प्रशासन की एक तरफा कार्यवाही निंदनीय,, अंबिकापुर सरगुजा बीते दिनों मानवता को तार-तार होते देखने का ताजा उदाहरण देखने को मिला,, अंबिकापुर के नमना कला में स्थित एक बेबाक,निडर, निर्भीक और निष्पक्ष हमेशा से सच्चाई का साथ देने वाला दैनिक अखबार घटती-घटना के दफ्तर और सह फर्म मिलन-जोन का होटल पर प्रशासन ने यूपी की तर्ज पर बिल्कुल फिल्मी स्टाइल में जहां पर बुलडोजर चलाकर चंद ही लम्हों में इमारत को जमींदोज कर दिया गया। क्या अब वर्तमान सरकार के खिलाफ सच्चाई लिखने का यही इनाम मिलेगा...अगर सच्चाई लिखने का यही इनाम है...तो निश्चित ही ये लोक तंत्र की हत्या है...यदि खराब सिस्टम के खिलाफ लिखना अपराध है तो यकीनन लोकतंत्र के लिए ये एक खतरा है...। सबसे बड़ी बात ये है कि प्रदेश की मीडिया मूक दर्शक होकर द्वेष पूर्ण कार्रवाई को देखती रही,प्रशासन ने उक्त अखबार के संपादक एवं घटती-घटना अखबार के पूरी टीम के साथ उस समय बदला लिया जब संपादक श्री अविनाश सिंह जी के घर में उनके पिता का निधन हुआ है,अभी दशगात्र भी नहीं खत्म हुआ।

बेदखली से उन्हें आपत्ति नहीं है, लेकिन बेदखली के समय का विरोध है

वरिष्ठ पत्रकार आनंद शर्मा ने कहा छत्तीसगढ़ अंबिकापुर प्रशासन ने शोक दिवस पर ही व्यापारी प्रतिष्ठान तोड़ दिया।

यह मामला डॉ. प्रिंस जायसवाल की फर्जी मास्टर ऑफ पब्लिक हेल्थ डिग्री से जुड़ा है। साबरमती यूनिवर्सिटी ने पुष्टि की है कि यह डिग्री फर्जी है। घटती-घटना अखबार में यह खबर प्रकाशित की जा रही थी, लेकिन डॉ. प्रिंस ने 27/05/2024 को जिला प्रशासन अंबिकापुर को आवेदन दिया कि घटती-घटना अखबार कार्यालय तथा व्यापारिक प्रतिष्ठान शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर बनाया गया है। इसके कुछ दिन बाद जनसंपर्क कार्यालय ने घटती-घटना अखबार के विज्ञापन मौखिक रूप से बंद कर दिए। घटती -घटना अखबार संपादक ने जब अधिकारियों से पूछा,तो उन्होंने बताया कि यह निर्णय स्वस्थ मंत्री के खिलाफ समाचार प्रकाशित करने के कारण लिया गया है। घटती-घटना अखबार के संपादक ने कलम बंद अभियान एक महीने से चला रखा था और आदरणीय प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री से न्याय की गुहार लगा रहे थे। संपादक ने कहा कि बेदखली से उन्हें आपत्ति नहीं है, लेकिन बेदखली के समय और तरीके का विरोध है। एक ओर भारत के प्रधानमंत्री देश जोड़ने का काम कर रहे हैं, पर वहीं मंत्री जी छत्तीसगढ़ सरगुजा संभाग में पार्टी की छवि को खराब किया जा रहा है।

सच्चाई और सत्य की राह वाकई कठिन होती है...

पत्रकार विनीत मिश्रा ने कहा यह उदाहरण देखने को मिला अंबिकापुर के नमना कला

स्थित एक बेबाक, निडर,निर्भीक और हमेशा सच्चाई का साथ देने वाला दैनिक अखबार घटती-घटना के दफ्तर और सह फर्म मिलन जोन होटल पर प्रशासन ने यूपी की तर्ज पर फिल्मी स्टाइल में बुलडोजर चलाकर चंद घंटे में जमींदोज कर दिया। क्या सच्चाई लिखने का यही नतीजा होता है सारे प्रदेश की मीडिया मूक दर्शक होकर द्वेष पूर्ण कार्रवाई को देखती रही, प्रशासन ने उक्त अखबार के संपादक एवं घटती-घटना अखबार के पूरी टीम के साथ उस समय बदला लिया जब संपादक श्री अविनाश सिंह जी के घर में उनके पिता का निधन हुआ है अभी दशगात्र भी नहीं खत्म हुआ और प्रशासन ने रविवार को सुबह 5:00 बजे 6 बुलडोजर ले जाकर उनके दफ्तर और होटल पर खड़ा कर दिए। अब अगर बात कर लो प्रशासन की तो उनके द्वारा यह कहा गया की 70 डिसमिल जमीन पर अवैध अतिक्रमण था...तो मेरा एक पत्रकार होने के नाते प्रशासन से सीधा सवाल यह है...कि क्या अंबिकापुर शहर में केवल एक ही व्यक्ति के द्वारा अतिक्रमण किया गया है...क्या शहर में अन्य स्थानों पर अवैध अतिक्रमण नहीं है...अगर नहीं है तो कोई बात नहीं और है तो उन पर वर्षों से कार्यवाही क्यों नहीं हो रही...। वहीं अगर बात की जाए घटती-घटना अखबार के संपादक श्री अविनाश सिंह जी की या अखबार के पूरे टीम की तो बड़ी ही शालीनता से उन्होंने प्रशासन की इस क्रूर कार्रवाई को स्वीकार किया और बिल्कुल शांत और सौम्य स्वभाव से पूरी अतिक्रमण की प्रक्रिया को बैठकर देखते रहे,वहीं स्वास्थ्य मंत्री और सरकार के खिलाफ आवाज उठाने का परिणाम सरकार ने अपने तुगलकी फरमान से तो सुना दिया पर क्या छत्तीसगढ़ प्रदेश के सभी मीडिया संगठनों को इस तरह की क्रूर कार्रवाई के खिलाफ आवाज नहीं उठानी चाहिए। मैं विनीत मिश्रा जिला अध्यक्ष भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ सरगुजा प्रशासन द्वारा की गई इस कार्रवाई का पूर्णतः विरोध करता हूं और अविनाश भैया के साथ इस विषम परिस्थिति में भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की सरगुजा इकाई सदैव तत्पर है।

कुटिल,कुत्सित तंत्र की शर्मनाक कुचाल...! छी...! घिन्न आ रही है...

पत्रकार प्रयण सिंह राणा ने इस घटना की निंदा करते हुए लिखा की कुटिल, कुत्सित तंत्र की शर्मनाक कुचाल...!

छी...! घिन आ रही थी...आज एक होटल गिराने की कार्यवाही देखकर। क्या शर्म नहीं आई? उन अफ़सरों को जो आज कार्यवाही को निकले थे। ये जानते हुए कि होटल संचालक लोटा-छुरी (हिंदू मान्यता अनुसार चिता को अग्नि देने के बाद किया जाने वाला संस्कार) लिए सफ़ेद कपड़ों में बैठा है। जिसके पिता के चिता की राख भी ठंडी नहीं हो पाई थी। इतनी भी क्या जल्दी थी? क्या न्यायालय से भी अधिक शक्तिशाली दल-बल था आज का? न्यायालय भी ऐसे मामलों में मानवीयता का परिचय देती है। संभव है कि होटल शासकीय ज़मीन पर हो। हो सकता है होटल संचालक ने कब्ज़ा किया हो लेकिन इस शहर में कई ऐसी और भी तो ज़मीनें हैं...जिन पर रसूखदारों ने कब्ज़ा कर रखा है...उन पर कार्यवाही कब...? अफ़सरों की होटल गिराने की संजीदगी देखकर मंद बुद्धि बालक भी कह सकता था कि कार्यवाही विद्वेषपूर्ण है। किसी के इशारे पर है। आपको इल्म है ये क्यों हुआ? नहीं! मैं बताता हूँ इसका कारण क्योंकि पत्रकारिता वर्तमान युग का कोढ़ है। उसी तरह जैसे मध्यकालीन युग का कोढ़ सांप्रदायिकता थी। नतीजा दोनों का एक है। सांप्रदायिकता अपने घेरे के अंदर पूर्ण शांति और सुख का राज्य स्थापित कर देना चाहती थी,मगर उस घेरे के बाहर जो संसार था,उसको नोचने-खसोटने में उसे जरा भी मानसिक क्लेश नहीं होता था। ''प्रजा अपने प्रतिनिधि कितनी ही सावधानी से क्यों न चुने, पर अंत में सत्ता गिने-गिनाए आदमियों के हाथ में चली जाती है।यह व्यवस्था अपवादमय, विनष्टकारी और अत्याचारपूर्ण है।'' आदर्श व्यवस्था वह है, जिसमें सबके अधिकार बराबर हों, कोई मंत्री या अफ़सर बनकर तो कोई महान बनकर जनता पर रौब न जमा सके। ''विधान-परिषदों में द्वितीय श्रेणी के राजनीतिज्ञ और तृतीय श्रेणी के विचारक एकत्रित हो गये हैं। इन्होंने केवल जनता का दमन किया है। अपने कुचालों से देश व राज्य को कलंकित किया है।'' आज के तानाशाही रवैये ने हर उस व्यक्ति के ज़ेहन में विष की गाँठ बाँध दी है जो आज भी मुर्दों के इस शहर अंबिकापुर में जिंदा है। जिसमें सोचने-समझने की तनिक भी शक्ति बची है। जो सही को सही और ग़लत को ग़लत कहना जानता है। मेरा मानना है कि 'धन्य है वह सभ्यता जो तानाशाही, अफ़सरशाही का अंत कर रही है। जल्दी या देर से दुनिया उसका अनुसरण अवश्य करेगी। हां, इस सभ्यता और उसके गुट के लोग अपनी शक्ति प्रदर्शन की लाख कोशिशें करेंगे लेकिन उसका विरोध भी होगा। जो सत्य है एक दिन उसकी विजय होगी और अवश्य होगी।

बेदखली से आपत्ति नहीं... लेकिन बेदखली के समय और तरीके का विरोध...

सामाजिक कार्यकर्ता अंचल ओझा इस पर

कहा की कौन सही कौन गलत का फैसला सरकार, प्रशासन और समाज के ठेकेदार 15 दिन बाद भी कर सकते थे। शासकीय जमीन पर कब्जा 15 दिन बाद भी हटाया जा सकता था। किंतु इस फोटो को देखिये पिता को मुखाग्नि देने के बाद 13 दिनों के जो संस्कार भारतीय संस्कृति में हैं उसका नियमित पालन एक पुत्र कर रहा था,लेकिन तभी एकाएक यह हुआ कि जिस पुत्र ने अभी पिता का दशगात्र भी नहीं किया है जो पारिवारिक रूप से दुःखी है, विपरीत परिस्थितियों में है, जिसके सर से पिता का साया उठ चुका है। उसके व्यापार व व्यवसाय को नुकसान पहुचाने की सरकार की कायरता पूर्वक कार्यवाही कैसे होती है। मैं सदैव बोलता हूं भाजपा केवल धर्म के नाम पर राजनीति करती है,न तो उसे धर्म शास्त्र का ज्ञान है न हिन्दू धर्म का। अरे! यह हमारी संस्कृति का बड़प्पन है कि यदि हमारे पड़ोसी से हमारी नहीं बनती या किसी से कोई दुश्मनी है फिर भी हम ग़मज़दा परिवार के साथ आ खड़े होते हैं। लोग जानते हैं कि इनके यहां अभी कुछ टाइम चूल्हा नहीं जलेगा,कई तरह की मनाही है, इस पर तमाम विरोधाभास होने के बावजूद, दुश्मनी होने के बावजूद सहयोग का हाथ बढ़ाते हैं।ग़म के समय सबकुछ भूल कर उनके साथ खड़े होते हैं। किंतु सदैव धर्म और हिन्दू, हिंदुस्तान के नाम पर राजनीति चमकाने वाली पार्टी के लोग कैसे किसी को तबाह करते हैं,यह आज अम्बिकापुर ने देखा है। आज किसी के साथ घटित हुआ है कल किसी और के साथ भी होगा। बुलडोजर न्याय-अन्याय ऐसे ही होता है। यह फोटो बहुत कुछ बता रहा है। हाथ में लोटा-छुरी लिए,तन पर धोती लपेटा एक व्यक्ति प्रशासन और सरकार के उस मार को बर्दाशत करने की तैयारी कर रहा है जो शायद कलम चलाने से उपजा है। शासकीय जमीन पर कब्ज़ा सरकार,प्रशासन, निगम कभी भी खाली करा सकती है, किन्तु व्यक्ति के विपरीत परिस्थितियों को देख कर 10-15 दिन का समय दिया जा सकता है, देश के न्याय व्यवस्था में यह बात दर्ज है। लेकिन शायद वह पुस्तकों तक ही सीमित है, जमीन पर हकीकत कुछ और है। अभी भी पीड़ित को अधिकार है कि वह न्यायालय शुरू होते ही इस कार्यवाही की पूरी शिकायत कर सकता है। वैसे मुझे लगता है यह जमीन की बेदखली का मामला न होकर एक राजनीतिक रंजिश है, जो सत्ता, पावर, सिस्टम के बल पर चल रहा है। अन्यथा इसी अम्बिकापुर में कई ऐसे व्यवसायिक प्रतिष्ठान हैं जो सरकारी जमीन पर काबिज़ हैं, लेकिन उधर न तो सरकार का ध्यान है,न प्रशासन का न निगम का। यह बदले की कार्यवाही से ज्यादा कुछ नहीं था। 35-40 सालों से अधिक का कब्जा था, इन 35-40 सालों में किसी ने न कब्जा करने से रोका न कभी कोई खाली कराने आया। लेकिन अचानक ऐसा क्या हुआ की 10-15 दिन की मोहल्लत तक नहीं दी जा सकती थी। ऐसी क्या आफ़त आ पड़ी थी कि बाहर से बकायदे इस होटल को गिराने मशीन लेकर आया गया। भोर में दबिश क्यों दी गई। सवाल कई है लेकिन जवाब किसी के पास नहीं है।

क्यों न सच लिखूं ... ?

लक्ष्मी नारायण लहरे कवि/लेखक अपने कविता के माध्यम से भी इस घटना पर संदेश दिया और कहा कि क्यों न सच लिखूं ...?

डर कर मैदान तो छोड़ सकता नहीं ?
मेरे कर्तव्य और अधिकार
तो कोई छीन सकता नहीं
अंतिम व्यक्ति के लिए आवाज उठाना क्या गलत है ?
लिख तो रहा हूं तुम्हारे उत्सव और आंदोलन की खबर
फिर क्यों तुन्हें है मुझसे बैर
मैं भी तो आम आदमी हूं
बस एक पत्रकार हूं
क्या मेरे अधिकार नहीं है
मेरे अभिव्यक्ति तुम्हें चुभते हैं
कल ही तो छापा था तुम्हारे खुशी भरे खबर
क्या तुम्हारे सिर्फ उत्सव का खबर छपेगा ?
ऐसा क्या लिख दिया जो तुम्हें बुरा लग गया
घटती-घटना तो ही लिखा था
मैंने कोई तुम्हारी निजी जिंदगी पर क्या कोई टिप्पणी किया ?
मेरे तो आशियाने ही तोड़वा दिए
क्या मैं इतना गलत था
फिर पूरे देश के पत्रकार गलत हैं?
अगर सच लिखना जुर्म है साहिल
तो कौन भला है आज ?
कोई बेघर होने के लिए क्या पत्रकारिता करेगा
क्यों न सच लिखूं ?
क्या सच लिखने से अंजाम बुरा होगा
डर डर कर क्या पत्रकारिता होगी ?
क्या जुर्म, घटना, अत्याचार, भ्रष्टाचार, समस्या, पर लिख नहीं सकता
फिर देश का चौथा स्तंभ कहां है ?
ठीक कहते थे ललित सुरजन जी
पत्रकारिता को चौथा स्तंभ मैं नहीं मानता
डर कर पत्रकारिता अब छोड़ना पड़ेगा ?
पत्रकारों की सुरक्षा के लिए कोई कानून ही नहीं
कौन भला अपना घर फूंकेगा
पत्रकार क्या आज स्वतंत्र है ?
अब अखबारों में सिर्फ और सिर्फ उत्सव छपेगा
ईमानदार को तो सजा मिलेगा
क्यों न सच लिखूं ...?
सच तो लिखना ही होगा ?

जमींदोज कार्यवाही पहली नजर में हीं द्वेषपूर्ण और बदले की कार्यवाही

उपेन्द्र गुप्ता, युवा पत्रकार, पीटीआई ने कहा अम्बिकापुर में आज दिनांक 28 जुलाई 2024 को दैनिक अख़बार घटती-घटना के मालिकानों द्वारा संचालित एक होटल और प्रेस की बाउंड्री को जिस तरह और जिस समय पर जमींदोज किया गया यह पहली नज़र में हीं द्वेषपूर्ण और बदले की कार्यवाही प्रतीत होती है। शहर में सैकड़ों कब्जाधारियों को अनदेखा कर एक अखबार संचालक के ख़िलाफ़ उस वक्त यह कार्यवाही की गई जब वह पितृ शोक से ग्रस्त हैं और लगातार वह प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री से संबंधित समाचार प्रकाशित कर रहे थे। प्रशासन की ऐसी बेदखली की कार्यवाही तब स्वागत योग्य जरूर होती, जब शहर में वर्षों से सरकारी बेशकीमती जमीनों पर काबिज नामचीन और पहुंच वाले लोगों के खिलाफ भी प्रशासन इसी तरह का रुख अपनाता।

अतिनिंदनीय कृत्य नहीं अक्षम्य अपराध है...

अशोक ठाकुर वरिष्ठ पत्रकार रायपुर ने लिखा कि

जिस हर्फ को बिखरना था खुशबुओं की तरह न जाने कैसे खो गए सियासत की फिजाओं में,
मैं कोई शायर नहीं लेकिन सियासत का गंदा खेल और सियासतदारो के गूंगे बहरे पस्तदारो के गंदी सियासत ने मुझे यह शेर लिखने पर मजबूर कर दिया। मैं चाहता तो दुष्यंत कुमार जी की जीवंत शेर यह भी लिख सकता था,अब तो इस तालाब का पानी बदल दो। कमल के फूल मुरझाने लगे हैं,पर क्या करें। छत्तीसगढ़ के सियासत का हाल यह है कि कमल की डंडी को कुछ हाथ थामे हुए हैं। मेरा मानना यह है कि आज जितने भी पत्रकार हित की बात करने वाले संगठनों की दुकान चल रही है, और कुछ तथा कथित लोग चला रहे हैं। मैं ऐसा नहीं कह रहा हूं कि सभी लोग गलत है लेकिन हां इसमें 95 फ़ीसदी लोग तो शासन के शरणागत है ,और 5 फ़ीसदी लोग अपनी बात पर जमे हुए अड़े हुए हैं। अभी चंद दिनों की बात है सरगुजा जिले से प्रकाशित होने वाली एक निष्पक्ष निर्भीक पत्रकारिता को आयाम तक पहुंचने वाली एक दैनिक समाचार-पत्र घटती-घटना के ऑफिस व वहां से लगे हुए एक इमारत पर शासन के इशारे पर प्रशासन ने कुचक्र रचकर जो दमनात्मक कार्यवाही करते हुए सच की आवाज को दबा देने का कुचक्र रचा वह किसी से छुपा नहीं है। संवेदनहीनता की पराकाष्ठा का आलम यह था दैनिक समाचार घटती-घटना के संपादक भाई अविनाश सिंह जी को कुछ दिनों पूर्व पितृशोक हुआ,हिंदू धर्म के रीति-रिवाजों के अनुसार जब तक का कार्यक्रम ना हो तब तक घर के लोग किसी तरह के कोई कार्यक्रम मे शामिल नही होते व घर में भोजन तक नहीं बनाया जाता । इस अवसर का गलत फायदा उठाकर शासन के षड्यंत्रकारी सत्ता के मद में मदान्ध एक सत्ताधारी ने अपने रसूख का परचम लहराते हुए जो तोड़फोड़ की कार्रवाई कर अपनी कुमानसिकता का परिचय दिया जो की निश्चित तौर पर निंदनीय नहीं अतिनिंदनीय कृत्य नहीं अक्षम्य अपराध है। इस बात की खबर क्या मीडिया जगत को नहीं थी? अगर थी तो कोई मजबूरी थी। यार....यही मजबूरी एक दिन तुम्हें उस गर्त पर धकेल देगी जहां से आप कितने भी चीखोगे-चिल्लाओगे वहाँ कोई तुम्हारी आवाज सुनने वाला तक ना होगा। क्या यह तथा कथित नेताओं जो कि मीडिया के संचालन व पत्रकारों की हित की बात करते हैं इन संगठनो को इस कार्यवाही की खबर नहीं थी ? क्या उनके कानों में पिछले शीशे भर दिए गए थे? क्या सत्ताधीशों ने प्रशासन की आंखों में बिहार वाला गंगाजल डाल दिया था? अब मैं क्या कहूं और मीडिया जगत की दलाली करने वालों से मैं यह निवेदन करना चाहता हूं कि...दलालों,दलाली छोड़ दो...या फिर पत्रकारिता छोड़ दो...वरना तुम्हारा हश्र भी वही होगा जिसकी तुम आज तक कल्पना नहीं किया और आने वाली नस्लों की रूह कब जाएगी,जागो अब तो जागो भागना नहीं जागना जरूरी है।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)